

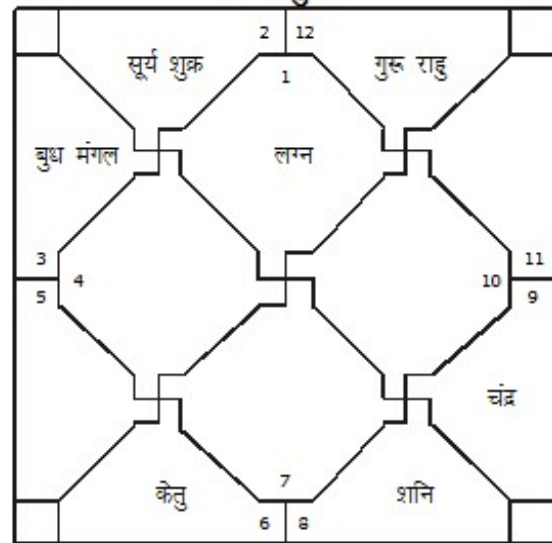
ॐ ॐ

निरयण ग्रह स्पष्ट

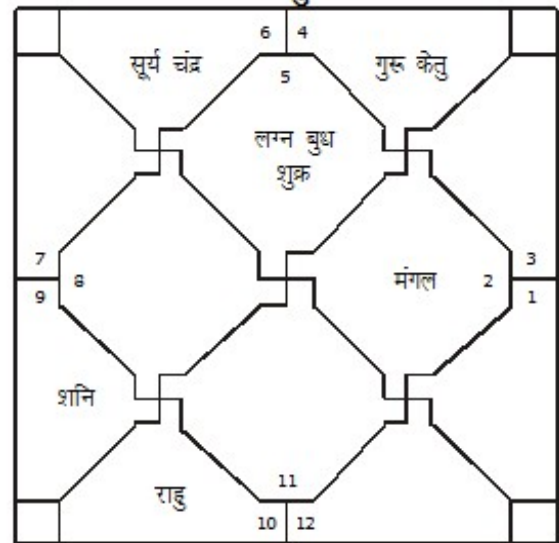
ग्रह	राशी-स्वामी	अंश	नक्षत्र-पद	राशी-स्वामी	अंश	नक्षत्र-पद
लग्न	मेष-मंगल	03:38:56	अश्विनि-2	सिंह-सूर्य	15:49:43	पूर्वा फाल्गुनी-1
सूर्य	वृष-शुक्र	28:37:45	मृग-2	कन्या-बुध	03:02:10	उत्तरा फाल्गुनी-2
चंद्र	धनु-गुरु	26:55:10	उत्तरा आषाढा-1	कन्या-बुध	14:10:40	हस्त-2
मंगल	मिथुन-बुध	21:41:05	पुनर्वसु-1	वृष-शुक्र	14:42:54	रोहिणी-2
बुध	मिथुन-बुध	21:07:44	पुनर्वसु-1	सिंह-सूर्य	16:20:53	पूर्वा फाल्गुनी-1
गुरु	मीन-गुरु	29:31:36	रेवती-4	कर्क-चंद्र	12:40:56	पुष्य-3
शुक्र	वृष-शुक्र	09:32:44	कृत्तिका-4	सिंह-सूर्य	21:55:44	पूर्वा फाल्गुनी-3
शनि	वृश्चिक-मंगल	23:50:49	ज्येष्ठा-3	धनु-गुरु	24:57:24	पूर्व आषाढा-4
राहु	मीन-गुरु	14:55:07	उत्तरा भाद्रपद-4	मकर-शनि	12:35:05	श्रवण-1
केतु	कन्या-बुध	14:55:07	हस्त-2	कर्क-चंद्र	12:35:05	पुष्य-3

राहु व केतु के स्पष्ट मान दिये गये हैं।

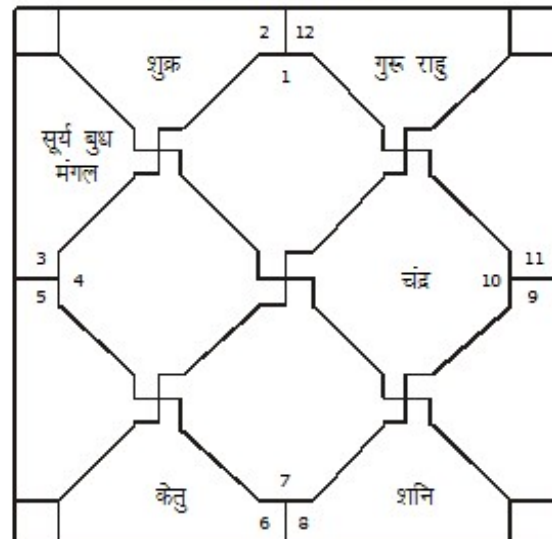
लग्न कुंडली



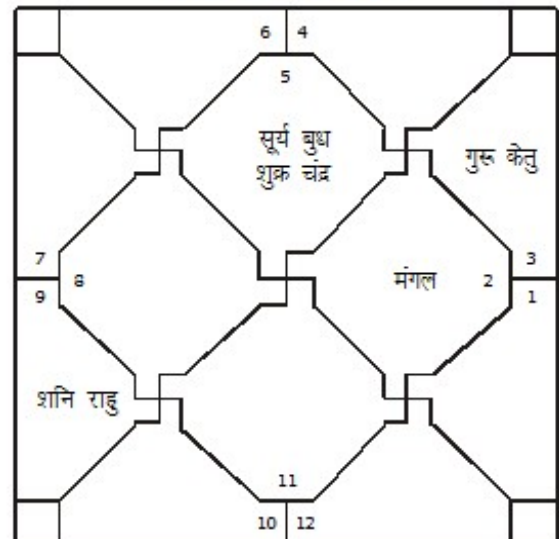
लग्न कुंडली

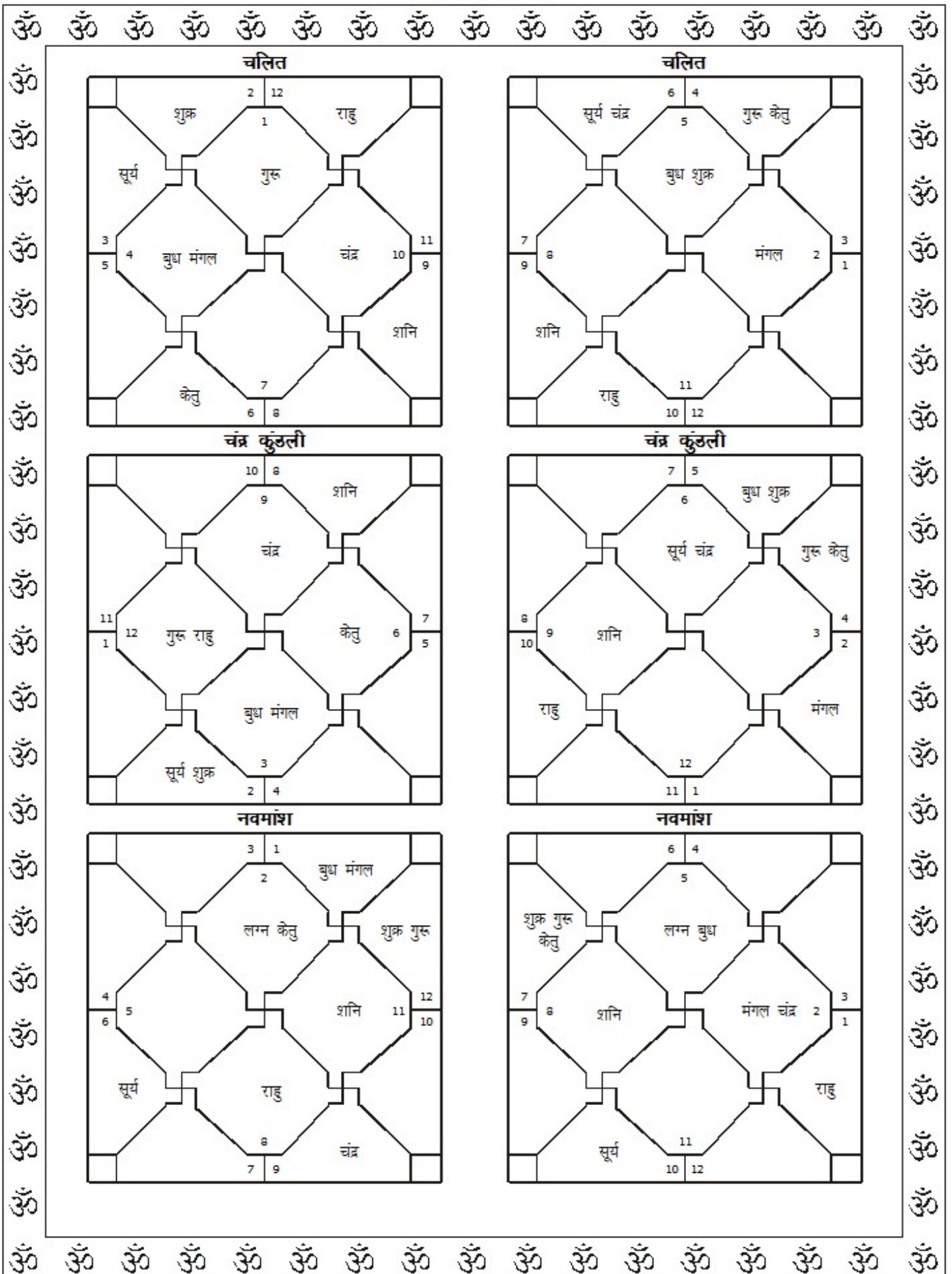


निरयण भाव चलित



निरयण भाव चलित





मेलापक विचार

वर्ण

वर्ण पति पत्नी के मध्य अहम् भाव का परिचायक है।

- 1 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य तालमेल अच्छा रहेगा।
पत्नी पति के प्रति आवर भाव रखेगी तथा पति पत्नी के प्रति प्रेम भाव रखेगा।

वश्य

वश्य आकर्षण एवं लगाव का सूचक है।

- 2 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य विचारों के प्रति अधिक आवर देने एवं अच्छे आपसी आकर्षण की संभावना है।

तारा/दिन

तारा/दिन स्वास्थ्य का सूचक है।

- 3 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य स्वास्थ्य संबन्धी परेशानी की संभावना बहुत कम है।

योनि

योनि संतुष्टि को वशाता है।

- 2 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य कुछ हव तक सामंजस्य एवं संतुष्टता रहेगी। विवाह रहित जीवन यापन करेंगे।

ग्रह मैत्री

ग्रह मैत्री बौद्धिक एवं आध्यात्मिक स्तर का सूचक है।

- 0.5 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य अलग अलग बौद्धिक एवं आध्यात्मिक स्तर होने के कारण आपसी तालमेल कम रहेगा।

गण

गण आपसी मिजाज का सूचक है।

- 5 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य आपसी मिजाज बहुत अच्छा मिलने की संभावना है।

भकुट

भकुट परिवार, बच्चे एवं पारिवारिक मेलजोल का सूचक है।

- 7 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं भाग्यशाली संतान से सुख की प्राप्ति होगी।

नाड़ी

नाड़ी भौतिक स्वास्थ्य का सूचक है।

- 8 अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण वशाता है कि भावी वर व वधू के मध्य शारीरिक एवं भौतिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वोत्तम जीवन यापन करेंगे।

ज्योतिषीय मेलापक केवल परम्परा का निर्वाह नहीं है अपितु भावी दम्पति के स्वभाव, गुण, प्रेम और आचार-व्यवहार के सम्बंध के विषय में जानकारी प्राप्त करना है। जब तक समान आचार व्यवहार वाले वर-कन्या नहीं होते तब तक दाम्पत्यजीवन सुखमय नहीं हो सकता। क्योंकि विवाह पूर्व ही अपने भावी जीवन साथी के स्वभाव आदि के विषय में जानकारी प्राप्त करना अत्यंत कठिन है। अतः ज्योतिष की यह वैज्ञानिक पद्धति एक वरदान समान सिद्ध हो सकती है।

मेलापक सारिणी

कूट	लड़का	लड़की	प्राप्त अंक	अधिकतम अंक
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1
वश्य	मानव	मानव	2	2
तारा/विन	मैत्र	मैत्र	3	3
योनि	नकुल	महीष	2	4
ग्रह मैत्री	गुरु	बुध	0.5	5
गण	मनुष्य	देव	5	6
भकुट	धनु	कन्या	7	7
नाड़ी	अन्य	आद्य	8	8
कुल गुण			28.5	36

मेलापक सारिणी विचार

कूट मिलान का स्कोर साधारण से कहीं ज्यादा है। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा व दोनों पक्ष अपने जीवनसाथी के विचारों का आवर करेंगे और सफलता प्राप्त करने में सहयोग आदान करेंगे। सामान्यतया 18 व अधिक गुणों के मिलान को अच्छा माना जाता है।

मांगलिक विचार

लड़का व लड़की दोनों ही मांगलिक दोष से मुक्त हैं, अतः मांगलिक दोष के कारण विवाह में कोई बाधा नहीं है।